# पाठ 5: मैं क्यों लिखता हूँ?

### 📖 पाठ का सार (Summary)

अज्ञेय द्वारा रचित यह एक वैचारिक निबंध है। इसमें लेखक इस प्रश्न का उत्तर खोजता है कि एक लेखक क्यों लिखता है? लेखक के अनुसार, लिखने का मुख्य कारण 'भीतरी विवशता' (आंतरिक अनुभूति) है। लेखक जब तक अपनी अंदरूनी पीड़ा, अनुभूति और छटपटाहट को शब्दों में लिखकर बाहर नहीं निकाल देता, तब तक उसे शांति नहीं मिलती। बाहरी दबाव (जैसे पैसे या प्रसिद्धि) भी लिखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, लेकिन सच्ची रचना आंतरिक अनुभूति से ही पैदा होती है। लेखक ने हिरोशिमा (जापान) में हुए परमाणु बम विस्फोट और वहाँ के एक जले हुए पत्थर पर छपी मनुष्य की छाया को देखकर जो गहरी पीड़ा महसूस की, उसी आंतरिक अनुभूति के कारण उन्होंने 'हिरोशिमा' नामक कविता लिखी।

### प्रश्न 1: लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है, क्यों?

लेखक (अज्ञेय) के अनुसार **'अनुभव' (Experience)** वह होता है जो हम बाहर अपनी आँखों से देखते हैं या महसूस करते हैं। जबकि **'अनुभूति' (Internal feeling)** वह होती है जब वह बाहरी अनुभव हमारी संवेदना और कल्पना के सहारे हमारे मन के भीतर गहरा उतर जाता है और हमारी आत्मा की पीड़ा बन जाता है। केवल देखने (अनुभव) से अच्छी रचना नहीं लिखी जा सकती। जब तक कोई घटना लेखक के मन की गहराई (अनुभूति) में उतरकर उसे बेचैन नहीं कर देती, तब तक वह उसे शब्दों में नहीं ढाल सकता। इसीलिए अनुभूति लेखन में अधिक मदद करती है।

### प्रश्न 2: लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?

लेखक जब जापान गए थे, तो उन्होंने हिरोशिमा में रेडियोधर्मी प्रभाव से पीड़ित लोगों को (प्रत्यक्ष अनुभव) देखा था, लेकिन तब वे लिख नहीं पाए। बाद में जब वे हिरोशिमा की एक सड़क पर घूम रहे थे, तो उन्होंने एक जले हुए पत्थर पर एक व्यक्ति की काली छाया देखी। यह छाया उस व्यक्ति की थी जो परमाणु बम के विस्फोट के समय वहाँ खड़ा रहा होगा और बम की भयंकर गर्मी से भाप बनकर उड़ गया होगा। उस छाया को देखकर लेखक के मन में वह भयानक दृश्य जीवंत हो उठा। उन्हें लगा जैसे उन्होंने खुद उस विस्फोट की त्रासदी को साहा है। इसी गहरी अनुभूति ने उन्हें उस विस्फोट का 'भोक्ता' बना दिया और उन्होंने कविता रची।

**प्रश्न 3: कुछ रचनाकारों के लिए 'आत्मानुभूति' (Self-experience) के साथ-साथ बाह्य दबाव भी महत्त्वपूर्ण होते हैं। ये बाह्य दबाव कौन-कौन से हो सकते हैं?**

एक श्रेष्ठ रचना मुख्य रूप से 'आत्मानुभूति' (आंतरिक प्रेरणा) से जन्म लेती है, लेकिन कुछ लेखकों के लिए निम्नलिखित 'बाह्य दबाव' (External pressures) भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:

1. **आर्थिक आवश्यकता:** जीविकोपार्जन (पैसे कमाने) के लिए प्रकाशकों (Publishers) की माँग पर लिखना।

2. **प्रसिद्धि और पहचान:** समाज में नाम कमाने और यश प्राप्त करने की इच्छा।

3. **संपादकों का आग्रह:** अख़बारों या पत्रिकाओं के संपादकों द्वारा बार-बार अनुरोध करने पर लिखना।

© 2026 schorbit.com. All rights reserved.
*Prepared exclusively for Schorbit Students*